डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

भाषा विज्ञान विभाग

सात दिवसीय ऑनलाईन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

विषय–साहित्य में तकनीकी एवं शोध का महत्त्व

दिनांक– 21 से 27 फरवरी 2022

भाषा विज्ञान विभाग, आई. क्यू. ए. सी., डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, करगीरोड, कोटा बिलासपुर (छ.ग.) एवं इंदिरा कला, संगीत वि. वि. खैरागढ (छ. ग.) के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय ऑनलाईन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'साहित्य में तकनीकी एवं शोध का महत्त्व' विषय पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनोद पाण्डेय, सह प्राध्यापक, डी. ए. वी. महाविद्यालय, कानपुर (उ. प्र.), डॉ. सरदिन्दु कुमार त्रिपाठी, सह प्राध्यापक काशी हिन्दू वि. वि. वाराणसी (उ. प्र.) एवं डॉ. सुमन सिंह बघेल, प्राचार्य, शास. कमलादेवी राठी महाविद्यालय राजनांदगांव (छ. ग.) उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलपति परम सम्माननीय प्रो. आर. पी. दुबे, इंदिरा कला, संगीत वि. वि. खैरागढ (छ. ग.) के परम सम्माननीया कुलपति पद्मश्री विभूषित डॉ. ममता चंद्राकर जी, संरक्षक परम सम्मानीया समकुलपति डॉ. जयति चटर्जी मित्रा, सहसंरक्षक परम सम्माननीय कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला एवं डॉ. आई. डी. तिवारी जी, कला संकाय के संकायाध्यक्ष परम सम्माननीया डॉ. संगीता सिंह व प्रो. डॉ. काशीनाथ तिवारी जी, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनीषा द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, संस्कृत एवं वेदो के प्रख्यात विद्वान शाखा प्रमुख प्रो. वेद प्रकाश मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का प्रारंभ सहायक प्राध्यापक डॉ. रेनू शुक्ला जी द्वारा वैदिक मंगलाचरण से किया गया इसके पश्चात् प्रो. वेद प्रकाश मिश्र ने स्वागत भाषण एवं विषय प्रर्वतन करते हुए बताया कि साहित्य में तकनीकी की सहायता से उत्कृष्ट शोध को प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके पश्चात कला संकाय की अध्यक्ष परम सम्मननीया डॉ. संगीता सिंह ने अपने उद्‌बोधन मे उपस्थित सभी विद्वतजनों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए साहित्य में शोध की आवश्यकता और शोध में आधुनिक तकनीकी के प्रयोग के विषय में प्रकाश डाला तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं के द्वारा अलग–अलग दिवस में विभिन्न साहित्यिक गंथों में कम्यूटरीकृत तकनीकी के अनुप्रयोग से वैज्ञानिक प्रविधियों की सहायता से गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के महत्त्व पर बारी–बारी से विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया, उन्होनें बताया कि साहित्य मानव सभ्यता और संस्कृति की आईना होती है। साहित्य के विभिन्न ग्रंथों में शोध से आज के समाज को विकास के

Indira Kala Sangit Vishwa Vidyalaya
KHAIRAGARH (C.G.)

H.O.D.
Department Of Linguistics
Dr. C.V. Raman University
Kargi Road Kota Bilaspur (C.G.)

बहुआयामी आयाम प्राप्त हो सकता है जिससे मानवीय समाज का और सतत् विकास निश्चित हो सके। इस कार्यक्रम से प्रतिभागियों के साहित्य में शोध प्रविधियों के अनुप्रयोग एवं कम्प्यूटर संबंधित जानकारी में वृद्वि हुई।

इसके बाद डॉ. सी. व्ही. रमन वि.वि. के मुखिया, कुलपति महोदय सम्माननीय प्रो. आर. पी. दुबे जी ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में मुख्य वक्ता महोदय का सम्मान एवं स्वागत करते हुए भाषा एवं साहित्य में शोध के क्षेत्र में वैज्ञानिक व आधुनिक टूल्स का प्रयोग किये जाने की बात कही।

इस कार्यक्रम मे विभिन्न विभागों एवं संकाय के 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति बाला गुप्ता द्वारा किया गया अन्त में विभाग के श्री कृष्ण कुमार भास्कर सहायक प्राध्यापक द्वारा सभी विद्वान अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

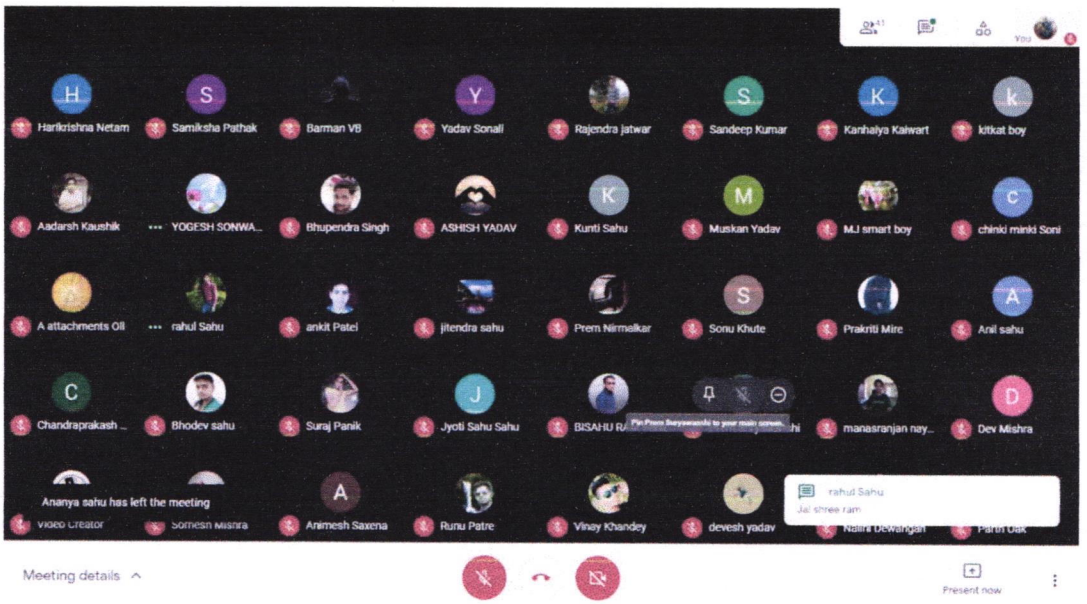

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी

Indira Kala Sangit Vishwa Vidyalaya
KHAIRAGARH (C.G.)

H.O.D.
Department Of Linguistics
Dr. C.V. Raman University
Kargi Road Kota Bilaspur (C.G.)